जिस देश का युवा जागृत होता है उस देश का सूर्य अस्त नहीं होता

आबू रोड। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें देश भर के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े हुए लोग भाग ले रहे हैं। रविवार को कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल बलराम दास टंडन ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज देश में युवा पीढ़ी देश के कर्णधार हैं और देश को आगे ले जाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। किसी भी देश के विकास के लिए उस देश का युवा अहम रोल अदा करता है। हमारी यह इच्छा होती थी कि हम यहां आकर उस ज्योति पूंज से शक्ति लूं, जिससे यह संसार संचालित हो रहा है। नई शक्ति, नई ऊर्जा लेकर जीवन के अंदर पदार्पण करने वाले ऐसा युवा को समाज श्रेष्ठ मानता है। आज के युग के अंदर सबसे ज्यादा युवा पीढ़ी जागरूक है। समाज को प्रेरणा देकर आगे ले जाने की शक्ति वर्तमान में होती है। इस भूमि के संस्कार के अंदर जगत ने नारी को सर्वोपरि माना है, जिससे संसार चलता है और परिवार चलता है। नारी के अंदर इतनी शक्ति है जो कि समाज और परिवार का कार्य करने की प्रेरणा देती है, तो किसी मानव को गलत रास्ते पर जाने से रोक भी सकती है। जिस देश के युवा जागरूक हैं उस देश का सूर्य कभी अस्त नहीं हो सकता है। भावनाओं में बहकर अपना मार्ग बनाने से समाज का कल्याण नहीं होता है। आज हमारे देश की नारियां, पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है। अगर हमें आगे बढ़ना है तो उसका आधार है वर्तमान। जो इस दुनिया में आता है वह एक न एक दिन चला जाता है। यह दुनिया का नियम है। इसलिए इस दुनिया से जाने से पहले हमें कुछ अच्छा करके जाना चाहिए। जिससे हमारी आने वाली पीढ़ी प्रेरणा लेकर सद्कार्यों में आगे बढ़ सके। इस धरती पर लाखों लोग अपने विचार को बदलने के लिए आते हैं।

स्व के ज्ञान से खुलते हैं सुख के रास्ते

संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी ने कहा कि आज के समय में मनुष्य के जीवन में दु:ख और अशांति बढ़ती जा रही है। ऐसे में वह स्थायी सुख और शांति की तलाश कर रहा है। मनुष्य को शांति की तलाश में आध्यात्मिकता ही एक जरिया है जिसके जरिए उसे सुख और शांति मिल सकती है। इसके लिए मनुष्य को स्व का ज्ञान होना आवश्यक है। छत्तीसगढ़ में सेवाकेंद्रों की संचालिका बीके कमला ने बताया कि विश्व को बेहतर बनाने के लिए आध्यात्मिक ज्ञान की आवश्यकता है। इंदौर जोन के डायरेक्टर बीके ओमप्रकाश ने बताया कि आध्यात्मिक ज्ञान के बिना मनुष्य में तनाव जनित बीमारियां बढ़ती जा रही है। इसलिए संसार को बेहतर बनाने के लिए बहुत ही ऊर्जा व उत्साह की आवश्यकता है। जिसके लिए परमात्मा का संग होना आवश्यक है। इस कार्यक्रम को बीके भरत, बीके मृत्यंजय, बीके हरीश ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर दादी जी ने राज्यपाल को शॉल उढ़ाकर सम्मनित किया एवं राज्यपाल ने भी दादी को शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेज जयपुर द्वारा बहुत ही आकर्षक स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया गया। वहीं नेपाल से आए हुए कलाकारों द्वारा म्यूर नृत्य प्रस्तुत किया गया। जिसे दर्शकों ने काफी सराहा।